भारत ने सात प्रतिशत से अधिक की रफ्तार बरकरार रखी

जीडीपी में तेजी से निवेश के साथ रोजगार बढ़ेंगे

अच्छी खबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सिंतबर) में भारत आर्थिक वृद्धि दर को सात प्रतिशत से अधिक रखने में कामयाब रहा है। पूरे वित्त वर्ष के लिए भी इसके सात प्रतिशत के आसपास रहने का ही अनुमान है। यह दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था सही रास्ते पर है और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रही है। इससे देश में निवेश के मौके बढ़ेंगे और रोजगार ने नए अवसर भी मिलेंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक, यूक्रेन युद्ध, इजराइल या यमन संकट और दक्षिण तथा पूर्व चीन सागर में जारी तनाव के कारण आपूर्ति-श्रृंखला में व्यवधान तथा आर्थिक अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। यही नहीं, कमजोर मानसून के कारण भी वृद्धि दर अनुमान को 6.5 फीसदी किया गया था लेकिन अर्थव्यवस्था में तेजी बरकरार है।

बाधाएं दूर हो रहीं : अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, सेवा निर्यात में मजबूत प्रदर्शन के कारण भारत के निर्यात में भी अच्छा प्रदर्शन होने की उम्मीद है। साथ ही मजबूत घरेलू गति ने उच्च खाद्य मुद्रास्फीति तथा कमजोर निर्यात से उत्पन्न बाधाएं दूर होती दिख रही है, जिसके चलते कई रेटिंग एजेंसियों ने वृद्धि अनुमान को बढ़ा दिया है।

एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2023-24 से लेकर 2025-26 तक देश की जीडीपी में सालाना 6.4 से 7.1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान जताया है।

सकल घरेलू उत्पाद 41 लाख करोड़ के पार

आंकड़ों के अनुसार, वास्तविक जीडीपी या स्थिर (2011-12) कीमतों पर जीडीपी के 2023-24 की दूसरी तिमाही में 41.74 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 2022-23 की दूसरी तिमाही में यह 38.78 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह इसमें 7.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जबकि 2022-23 की दूसरी तिमाही में यह आंकड़ा 6.2 प्रतिशत था।

मोदी की गारंटी वाली गाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा को मोदी की गारंटी वाली गाड़ी बताया। उन्होंने कहा, करीब 30 लाख लोग इसका फायदा उठा चुके हैं। लोग अब इस विकास रथ को मोदी की गारंटी के कार्ड वाली गाड़ी कहने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जहां पर दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती है, वहीं से मोदी की गारंटी शुरू हो जाती है। पहले की सरकारें हर काम में राजनीति देखती थीं : प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से संवाद के दौरान विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, उस समय की सरकारें भी हर काम में अपनी राजनीति देखती थीं। उन्हें चुनाव और वोट बैंक नजर आता था।

आम लोगों पर ऐसे होगा इसका असर

अगर जीडीपी बढ़ती है तो लोगों पर सकारात्मक प्रभाव होता है और सरकार के हाथ में अधिक पैसा आता है, जिस कारण ये सरकार जन कल्याण पर अधिक पैसा खर्च कर पाती है। अगर किसी देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती है तो लोगों के लिए कमाने के अवसर बढ़ते हैं और अच्छा पैसा कमाते हैं और इस कारण उनके जीवन स्तर में सुधार होता है।